COVERAGE REPORT

Tata Trusts to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals

On July 22, 2015

Article Date	Headline / Summary	Publication	Edition	Page No.	Journalist
Mainlines					
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Hindustan Times	Ranchi	2	Bureau
Regional					
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Jharkhand Jagran	Ranchi	2	Bureau
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Khabar Express	Ranchi	2	Bureau
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Rashtriya Khabar Hamari Nazar	Ranchi	3	Bureau
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Dainik Bhaskar	Ranchi	9	Bureau
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Dainik Jagran	Ranchi	4	Bureau
23 Jul 2015	Tata Trust to explore use of technology to bring prosperity to Jharkhand tribals	Hindustan	Ranchi	20	Bureau
Online					
24 Jul 2015	Tata Trusts' Central India Initiative to use technology to help Jharkhand tribals	The Economic Times	Online Web		Devina Sengupta
24 Jul 2015	Jharkhand: Tata Trusts Aims To Explore Technology Usage For Tribal Welfare	India CSR	Online Web		Bureau
24 Jul 2015	CInI to take tech-based initiatives to bring prosperity to tribals	Social Story	Online Web		PTI
23 Jul 2015	Central India Initiative to develop technology options to bring prosperity to tribals	The Economic Times	Online Web		PTI
23 Jul 2015	Datacentre Management.org Recent Posts Central India Initiative to rise record options to move wealth to …	Data Centre Management	Online Web		Bureau

Mainlines

Publication:	**Hindustan Times**	Edition:	**Ranchi**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	**2**
		Display:	**1/1**

Tata Trust adopts 23 tribal-dominated blocks

RANCHI: Tata Trust, under its Central India Initiative, adopted 23 tribal-dominated blocks to provide the communities with skills to improve their livelihood. The initiative is being anchored by Chirthe nodal agency of Tata Trust. The Trust also organised a conference recently to interact with various stakeholders in the initiative including experts in technology, entrepreneurs, state agencies and researchers. The initiative will make use of technology to share information about the market to farmers. "This initiative is a part of the overall movement at Tata Trusts to bring prosperity in identified clusters on a mission mode," said senior development manager, Tata Trusts Vartika Jaini.

Back to Index

Regional

Publication:	Jharkhand Jagran	Edition:	Ranchi
Published Date:	23 Jul 2015	Page No.:	2
		Display:	1/1

टाटा ट्रस्ट्स झारखंड के आदिवासियों को समृद्ध बनाने के लिए तलाश रहा डिजीटल तकनीक

सेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव्स का उद्देश्य है आदिवासी समुदायों की क्षमताओं को सुदृढ़ करना

रांची : टाटा ट्रस्ट्स सेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव मध्य भारत के आदिवासी इलाकों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को समृद्ध बनाने के लिए उपयुक्त डिजीटल तकनीकी विकल्प विकसित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। इस इलाके में भारत के आदिवासी समुदाय की करीब 65 फीसदी आबादी रहती है। इस पहल का उद्देश्य इस क्षेत्र में किसानों को लखपति बनाकर इस क्षेत्र में समृद्धि लाने का है। लखपति किसान ऐसे किसान होंगे जो कृषि और सहायक गतिविधियों के जरिये एक लाख रुपये या इससे अधिक कमाते हों और प्रगतिशील सामुदायिक संस्थाओं का हिस्सा हों। ट्रस्ट्स द्वारा की गई पहलों की सफलता के आधार पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य 3,00,000 परिवारों के जीवन और जीवन की गुणवत्ता में स्थायी सुधार करना और वर्ष 2015-20 तक 42 ब्लॉकों को इस क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा देने वाले वाहक के तौर पर विकसित करने का है। इनमें से 24 ब्लॉक झारखंड में है। इस पहल का संचालन टाटा ट्रस्ट्स की नोडल एजेंसी कलेक्टिव्स फॉर इंटिग्रेटेड लाइव्लीहुड इनीशिएटिव्स (सिनी) करेगी।

हाल ही में पेश किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के संदर्भ में 40 विशेषज्ञों के साथ अपने तरह के पहले राउंडटेबल का आयोजन रांची में किया गया। इन विशेषज्ञों में तकनीकी विशेषज्ञ और उद्यमी, राज्यस्तरीय एजेंसियां, लागू करने वाले साझेदार, शोधार्थी, मीडिया प्रबंधक और संसाधन मुहैया कराने वाले संगठन शामिल थे। इस विचार विमर्श में ऐसे उचित डिजिटल तकनीकी विकल्पों की पहचान की गई जिनसे भारत के आदिवासी इलाकों में लखपति किसान बनाने के उद्देश्य को पूरा करने में मदद मिले। ट्रस्ट्स मध्य भारत के आदिवासी इलाके में पिछड़े किसानों के लिए महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी लेकिन संबद्ध तकनीकी विकल्पों की संभावनाएं तलाश रहा है जो एक कारोबारी मॉडल पर काम कर सके। राउंडटेबल ने डिजीटल तकनीकों की संभावनाएं, मौजूदा पहलुओं, तकनीक अपनाने के रुझान का विश्लेषण किया।

ट्रस्ट ऐसी डिजीटल तकनीकों को बढ़ावा देना चाहते हैं जो समुदाय से दूसरे समुदाय के बीच प्रगतिशील प्रक्रियाओं और सूचनाओं के आदान प्रदान को बढ़ावा दे सकें। साथ ही, एक ऐसे तंत्र की स्थापना करना चाहता है जिसके जरिये सेवा प्रदाता या फिर आदिवासी समुदायों तक पहुंचने की कोशिश करने वाले व्यक्ति या संस्थान पहुंच बना सकें। डिजीटल तकनीक सकारात्मक जानकारियां जुटाने का तंत्र स्थापित करने में और जीवनयापन निवेश के लिए समुदायों के बीच मांग बढ़ाने में मदद करेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि आदिवासी समुदायों को सहज एवं सुलभ क्रय-विक्रय प्रणाली पसंद होती है, डिजीटल तकनीक बाजार से संबंधित जानकारी भी मुहैया करा सकती है। गूगल और इंटेल के साथ 'इंटरनेट साथी' प्रोग्राम के तहत इंटरनेट को लोगों के बीच पहुंचाने वाले इंटरनेट कार्ट जैसे कुछ प्रयासों को इस तिमाही में लागू करने की योजना बनाई गई है। खूंटी में 140 स्कूलों में टैबलेट की मदद से संचालित होने वाले अंग्रेजी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत भी होगी। ट्रस्ट कुछ अन्य एजेंसियों के साथ भी गठजोड़ करेगा और गोष्ठी में तय किए गए विचारों को आगे बढ़ाएगा जो जमीनी स्तर पर चल रहे सिनी के कार्यक्रमों के साथ संबद्ध होंगे।

टाटा ट्रस्ट्स की वरिष्ठ विकास प्रबंधक और सिनी की कार्यकारी निदेशक सुश्री वर्तिका जैनी ने कहा, ''यह प्रयास चुनिंदा क्लस्टरों में मिशन के तौर पर समृद्धि लाने के ट्रस्ट के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इंटरनेट और डिजिटल तकनीक समुदाय केंद्रित और इंटरप्राइज आधारित प्रयासों को प्रोत्साहित कर इस मिशन को नया मोड़ देने में मददगार साबित हो सकते हैं जिससे आदिवासी परिवारों के लिए नए आयाम जुड़ सकते हैं। सेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव के बारे में टाटा ट्रस्ट्स का सेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव मध्य भारत आदिवासी इलाकों के लिए संपूर्ण समाधान विकसित करता है। इस इलाके में देश के कुल आदिवासी समुदाय में से करीब 65 फीसदी लोग रहते हैं। पूरे मध्य भारत में 900 ब्लॉकों में केंद्रित ये समुदाय विकास के लिहाज से बहुत पिछड़े हैं। ये समुदाय राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल तक फैले हुए हैं। प्राकृतिक संसाधन और अच्छी बारिश के बावजूद इन जिलों में रहने वाले आदिवासी समुदाय भयानक गरीबी से त्रस्त हैं। केंद्रित अंदाज में आगे बढ़ने के लिए ट्रस्ट ने अन्य पक्षों के साथ मिलकर सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम 1958 के तहत औपचारिक रूप से एक सहायक संगठन कलेक्टिव्स फॉर इंटिग्रेटेड लीवलीहुड इनीशिएटिव्स (सिनी) की स्थापना 17 मई, 2007 को की। सिनी मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्र के लिए टाटा ट्रस्ट्स की नोडल एजेंसी के तौर पर काम करती है। इसके तहत यह विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों, कृषि एवं अन्य शोध संस्थानों, राज्य स्तरीय एजेंसियों के साथ काम करती है जो इस क्षेत्र के लोगों के जीवन में समृद्धि लाने का प्रयास करते हैं। स्वतंत्र अध्ययन दर्शाते हैं कि सिनी के तकनीकी समर्थन के साथ साझेदारों के प्रयासों के परिणामस्वरूप परिवारों की सालाना आय 24,000 रुपये से बढ़कर 80,000 रुपये के स्तर तक पहुंच गई और इन परियोजनाओं के जरिये आदिवासी परिवारों के जीवन की गुणवत्ता पर निम्नलिखित महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले: (ए) बेहतर खाद्य उपलब्धता, (बी) अधिक आय और (सी) मुख्यधारा के संसाधनों तक अधिक पहुंच। सिनी ने मिशन 2020 की शुरूआत की जिसके तहत इसकी योजना किसानों को लखपति बनाकर 3,00,000 परिवारों को समृद्ध बनाने के लिए 42 ब्लॉकों को क्षेत्रीय वृद्धि के वाहकों के तौर पर विकसित करने और व्यावसायिक सामुदायिक संस्थानों को बढ़ावा देने की है। टाटा ट्रस्ट्स के बारे में टाटा ट्रस्ट्स भारत के अग्रणी परोपकारी संगठनों में से है जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कला एवं संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है। ट्रस्ट समाज में परिवर्तन लाने की भावना से काम करने में यकीन रखते हैं। टाटा ट्रस्ट्स समुदायों को स्थायी विकास का लाभ दिलाने के मकसद से आविष्कारिता और उद्यम को बढ़ावा देने के लिए प्रयत्नशील हैं।

Back to Index

Publication:	**Khabar Express**	Edition:	**Ranchi**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	**2**
		Display:	**1/1**

ٹاٹا ٹرسٹ جھارکھنڈ کے آدیواسیوں کو خودکفیل بنانے کی جانب گامزن

رانچی 22 جولائی (محمد ریاض) ٹاٹا ٹرسٹ سینٹرل انڈیا انیشیٹیو وسط بھارت کے آدیواسی علاقوں میں رہنے والے آدیواسیوں کو خودکفیل بنانے کے لئے ذریعہ معاش تخلیقی متبادل کرنے کے امکان تلاش رہا ہے۔ اس علاقے میں بھارت کے آدیواسی طبقے کی قریب 65 فیصد آبادی رہتی ہے۔ اس پہل کا مقصد اس حصے میں کسانوں کو لکھ پتی بنا کر اس علاقے میں خوشحالی لانا ہے۔ لکھ پتی کسان ایسے کسان ہوں گے جو زراعت اور نقل و حرکت کے ذریعہ ایک لاکھ روپے یا اس سے زیادہ کماتے ہوں اور کسی ادارے کا حصہ ہوں۔ ٹرسٹ کے ذریعہ کی گئی پہلوں کی کامیابی کے مطابق پر شروع کی گئی اس پہل کا مقصد 3,00,000 کنبے کے آمدنی اور زندگی کی معیار میں سدھار لانا ہے۔

Back to Index

Publication:	Rashtriya Khabar Hamari Nazar	Edition:	Ranchi
Published Date:	23 Jul 2015	Page No.:	3
		Display:	1/1

आदिवासियों का विकास करेगा टाटा ट्रस्ट्स

संवाददाता

रांची: टाटा ट्रस्ट्स मेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव मध्य भारत के आदिवासी इलाकों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को समृद्ध बनाने के लिए उपयुक्त डिजिटल तकनीकी विकल्प विकसित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। इस इलाके में भारत के आदिवासी समुदाय की करीब 65 फीसदी आबादी रहती है। इस पहल का उद्देश्य इस क्षेत्र में किसानों को लखपति बनाकर इस क्षेत्र में समृद्धि लाने का है। लखपति किसान ऐसे किसान होंगे जो कृषि और सहायक गतिविधियों के जरिये एक लाख रुपये या इससे अधिक कमाते हों और प्रगतिशील सामुदायिक संस्थाओं का हिस्सा हों। ट्रस्ट के इस पहल का उद्देश्य 3 लाख परिवारों के जीवन और जीवन की गुणवत्ता में स्थायी सुधार करना और वर्ष 2015-20 तक 42 ब्लॉकों को इस क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा देने वाले वाहक के तौर पर विकसित करने का है। इनमें से 24 ब्लॉक झारखंड में है। इस पहल का संचालन टाटा ट्रस्ट्स की नोडल एजेंसी कलेक्टिव्स फॉर इंटिग्रेटेड लाइवलीहुड इनीशिएटिव्स (सिनी) करेगी। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के संदर्भ में 40 विशेषज्ञों के साथ पहले राउंड टेबल का आयोजन रांची में किया गया। इन विशेषज्ञों में तकनीकी विशेषज्ञ और उद्यमी, राज्यस्तरीय एजेंसियां, लागू करने वाले साझेदार, शोधार्थी, मीडिया प्रबंधक और संसाधन मुहैया कराने वाले संगठन शामिल थे। गूगल और इंटेल के साथ इंटरनेट साथी प्रोग्राम के तहत इंटरनेट को लोगों के बीच पहुंचाने वाले इंटरनेट फार्ट जैसे कुछ प्रयासों को इस तिमाही में लागू करने की योजना बनाई गई है। खूंटी में 140 स्कूलों में टैबलेट की मदद से संचालित होने वाले अंग्रेजी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत भी होगी।

Back to Index

Publication:	**Dainik Bhaskar**	Edition:	**Ranchi**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	**9**
		Display:	**1/1**

किसानों के लिए 24 प्रखंडों में शुरू होगी डिजिटल तकनीक

आदिवासी किसानों को समृद्ध करने की योजना पर अमल शुरू

सिटी रिपोर्टर | रांची

टाटा ट्रस्ट्स ने झारखंड के आदिवासी किसानों को समृद्ध करने के लिए डिजिटल तकनीक विकल्प विकसित करने की योजना तैयार की है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को लखपति बनाकर क्षेत्र का विकास करना है। लखपति किसान ऐसे होंगे, जो कृषि और सहायक गतिविधियों के माध्यम से एक लाख रुपए से अधिक कमाते हैं और प्रगतिशील समुदायिक संस्थाओं का हिस्सा हो। लक्ष्य यह भी है कि तीन लाख परिवारों के जीवन और जीवन की गुणवत्ता में स्थाई सुधार लाना। ट्रस्ट ने पहले चरण में जिन 42 प्रखंडों का चयन किया है, उनमें से 24 प्रखंड झारखंड के हैं।

राज्य में इस पहल का संचालन ट्रस्ट की नोडल एजेंसी सिनी करेगी। इस आशय की जानकारी बुधवार को ट्रस्ट की वरिष्ठ विकास प्रबंधक और सिनी की कार्यकारी निदेशक वर्तिका जैनी ने भास्कर से विशेष बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि इस योजना को मूर्तरूप देने के लिए बुधवार को रांची में 40 विशेषज्ञों के साथ पहला राउंड टेबल का आयोजन किया गया। इनमें तकनीकी विशेषज्ञ और उद्यमी, राज्य स्तरीय एजेंसियों के प्रतिनिधि, शोधार्थी मीडिया प्रबंधक और संसाधन उपलब्ध कराने वाले संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। वर्तिका जैनी ने सिनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि टाटा ट्रस्ट्स की सेंट्रल इंडिया इनीशिएटिव मध्य भारत आदिवासी इलाकों के लिए संपूर्ण समाधान विकसित करती है। कुल आदिवासी समुदाय में से करीब 65 फीसदी लोग मध्य भारत में रहते हैं। मध्य भारत में 900 प्रखंडों में केंद्रित यह समुदाय विकास के लिहाज से बहुत पिछड़ा है। ट्रस्ट ने अन्य पक्षों के साथ मिलकर सहायक संगठन कलेक्टिव फॉर इंटिग्रेटेड लाइवलीहुड इनिशिएटिव्स की स्थापना की गई है।

Back to Index

Publication:	**Dainik Jagran**	Edition:	**Ranchi**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	**4**
		Display:	**1/1**

नई तकनीक से जुड़ेंगे किसान

जागरण संवाददाता, रांची : किसानों को नई तकनीक से जोड़ा जाएगा। कृषि कार्यों से लेकर उनके उत्पाद के बाजार तक की जानकारी तकनीक के माध्यम से दी जाएगी। टाटा ट्रस्ट ने झारखंड के आदिवासी किसानों को समृद्ध करने के लिए डिजिटल तकनीक विकल्प विकसित करने की योजना तैयार की है। योजना में किसानों को लखपति बनाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

झारखंड के करीब 3 लाख परिवारों के जीवन की गुणवत्ता में स्थायी सुधार लाने का लक्ष्य रखा गया है। ट्रस्ट ने पहले चरण में जिन 42 प्रखंडों का चयन किया है, उनमें से 24 प्रखंड झारखंड के हैं। राज्य में इस पहल का संचालन ट्रस्ट की नोडल एजेंसी सिनी करेगी। टाटा ट्रस्ट की वरिष्ठ विकास प्रबंधक और सिनी की कार्यकारी निदेशक वर्तिका जैनी ने बताया कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक समुदाय केंद्रित और इंटरप्राइज आधारित प्रयासों को प्रोत्साहित कर मिशन को नया मोड़ दिया जा सकता है। देश के कुल आदिवासी समुदायों में से करीब 65 फीसदी लोग मध्य भारत में रहते हैं। मध्य भारत में 900 प्रखंडों में केंद्रित यह समुदाय विकास के लिहाज से बहुत पिछड़ा है। प्राकृतिक संसाधनों और अच्छी खासी आबादी के बावजूद यहां रहनेवाले आदिवासी समुदाय के लोग गरीबी से त्रस्त हैं। ट्रस्ट ने अन्य पक्षों के

◆ बाजार की ऑनलाइन दी जाएगी जानकारी

जानकारी देतीं वर्तिका जैनी।

साथ मिलकर एक सहायक संगठन कलेक्टिव फॉर इंटिग्रेटेड लाइवलीहुड इनिशिएटिव्स की स्थापना की गई है। मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्र के लिए टाटा ट्रस्ट की नोडल एजेंसी के तौर पर काम कर रही है। योजना को लेकर रांची में 40 विशेषज्ञों के साथ पहले राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें तकनीकी विशेषज्ञ और एक्सपर्ट, राज्य स्तरीय एजेंसियों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय मीडिया प्रबंधक और संसाधन उपलब्ध करानेवाले संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

Back to Index

Publication:	**Hindustan**	Edition:	**Ranchi**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	**20**
		Display:	**1/1**

राज्य के आदिवासियों को समृद्ध बनाएगा टाटा ट्रस्ट

रांची | वरीय संवाददाता

टाटा ट्रस्ट झारखंड सहित देश के आदिवासियों को समृद्ध बनाने के लिए उपयुक्त डिजिटल तकनीक विकसित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को लखपती बनाकर इस क्षेत्र में समृद्धि लाना है। फिलहाल तीन लाख परिवारों के जीवन और उसकी गुणवत्ता में स्थायी सुधार करना है। साथ ही, वर्ष 2015-20 तक देश के 42 ब्लॉकों को वृद्धि को बढ़ावा देने वाले वाहक के तौर पर विकसित करने का है। इनमें 24 ब्लॉक झारखंड में है। इसका संचालन ट्रस्ट की नोडल एजेंसी कलेक्टिव्स फॉर इंटिग्रेटेड लाइवलीहुड इनीशिएटिव्स (सिनी) करेगी। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के संदर्भ में 40 विशेषज्ञों के साथ पहले राउंडटेबल का आयोजन रांची में किया गया। सिनी की कार्यकारी निदेशक वर्तिका जैनी ने यह जानकारी दी।

Back to Index

Online

Publication:	**The Economic Times**	Edition:	**Online Web**
Published Date:	**24 Jul 2015**	Page No.:	
		Display:	**1/1**

Tata Trusts' Central India Initiative to use technology to help Jharkhand tribals

http://economictimes.indiatimes.com/news/company/corporate-trends/tata-trusts-central-india-initiative-to-use-technology-to-help-jharkhand-tribals/articleshow/48187617.cms

According to the statement, the initiative aims to bring prosperity in the region through creating lakhpati farmers - farmers who earn upward of a lakh rupees from agriculture and allied activities and are part of vibrant community institutions. Tata Trusts' Central India Initiative is trying to develop feasible technology options to bring prosperity to tribal communities in the Central Indian tribal belt, home to 65 per cent of India's adivasi community.

According to the statement, the initiative aims to bring prosperity in the region through creating lakhpati farmers - farmers who earn upward of a lakh rupees from agriculture and allied activities and are part of vibrant community institutions.

This will impact the livelihood of 300,000 households and develop 42 blocks as regional drivers of growth in the region over 2015-20. 24 of these blocks are in Jharkhand. A roundtable of 40 experts ranging from technology experts and entrepreneurs, state agencies, implementation partners, researchers, media donors and resource support organizations was set up, said the statement.

They examined the potential of technology, insights from existing initiatives, technology and adoption trends.

"We are very excited with the outcome of the workshop. This roundtable was only the first step towards generating a shelf of ideas that we can then incubate and operationalize. While various directions emerged from the discussions that we had, one general agreement has been that technology is poised to play a critical role in disseminating contextual information that can aid in bringing about prosperity amongst tribal farmers," Vartika Jaini, senior development manager, Tata Trusts, and executive director, Collectives for Integrated Livelihood Initiatives (CInI), said.

Tata Trusts, along with other stakeholders, formally registered an associate organization called Collectives for Integrated Livelihood Initiatives (CInI) on May 17, 2007 under the Societies Registration Act 1958.

Back to Index

Publication:	**India CSR**	Edition:	**Online Web**
Published Date:	**24 Jul 2015**	Page No.:	
		Display:	**1/1**

Jharkhand: Tata Trusts Aims To Explore Technology Usage For Tribal Welfare

http://www.indiacsr.in/en/jharkhand-tata-trusts-aims-to-explore-technology-usage-for-tribal-welfare/

TATA Sons Master LogoIndiaCSR Awards Logo (3)Tata Trusts' Central India Initiative is looking to develop feasible technology options to bring prosperity to tribal communities in the Central Indian tribal belt, home to 65% of India's adivasi community.

The Initiative aims to bring prosperity in the region through creating lakhpati farmers - farmers who earn upward of a lakh or rupees from agriculture and allied activities and are part of vibrant community institutions.

Building on the success of interventions supported by the Trusts, the initiative aims to bring irreversible impact on quality of life and livelihood of 300,000 households and develop 42 blocks as regional drivers of growth in the region over 2015-20. 24 of these blocks are in Jharkhand. The initiative is anchored by CInI, the nodal agency of the Tata Trusts for the initiative.

In context of the recent launch of the Digital India programme, this first of its kind roundtable convened 40 experts ranging from technology experts and entrepreneurs, state agencies, implementation partners, researchers, media donors and resource support organizations.

The deliberations have led to identification of a shelf of feasible digital technology options which can support in the making of lakhpati farmers in the tribal pockets of India. The Trusts are looking for ambitious and disruptive but relevant technology options for marginal farmers in the Central Indian tribal belt, which can work on a business model.

The roundtable examined the potential of technology, insights from existing initiatives, technology and adoption trends.

The Initiative is particularly keen to examine the role technology to support community-to-community sharing of good practices and information, setting up mechanisms through which service providers, or those trying to reach tribal communities, can do so to make their content available.

Technology will help in building mechanisms to capture positive stories on the region through visuals and video clips, generating demand among communities for the same livelihood investments.

Digital technology can also disseminate market information, keeping in mind that tribal communities prefer low-hassle farm-gate sale. Some specific initiatives like internet carts under the Internet Saathi program in association with Google and Intel, which will carry internet access to remote pockets, is being planned for implementation in this quarter.

A tablet enabled English teaching programme is being launched in 140 schools in Khunti. The Trusts will also collaborate with other agencies and incubate development of the shortlisted ideas, which will work in close collaboration with its field programmes.

"We are very excited with the outcome of the workshop. This roundtable was only the first step towards generating a shelf of ideas that we can then incubate and operationalize.

While various directions emerged from the discussions that we had, one general agreement has been that technology is poised to play a critical role in disseminating contextual information that can aid in bringing about prosperity amongst tribal farmers" Vartika Jaini, Senior Development Manager, Tata Trusts, and Executive Director, CInI, said.

(IndiaCSR is renowned and No.1 news portal in the domain of CSR, which is live since 2009. www.indiacsr.in is for you and your organization. IndiaCSR believes in uninterrupted generation and flow of information. We also believe in values and extending value based descriptions. IndiaCSR is mirroring what is happening around in the contemporary environment. We request you to support the initiative and promote it within your network. We welcome reactions to the stories, comments on issues that interest you, feedback & comments from your side to make it more purposeful and resourceful. Please send us your organization's news, press releases, articles and contributions to editor@indiacsr.in. You can find updates at Facebook IndiaCSR News)

Back to Index

Publication:	**Social Story**	Edition:	**Online Web**
Published Date:	**24 Jul 2015**	Page No.:	
		Display:	**1/1**

CInI to take tech-based initiatives to bring prosperity to tribals

http://social.yourstory.com/2015/07/cini-tech-tribals/

Tata Trusts' Central India Initiative (CInI) is looking to develop feasible technology options to bring prosperity to tribal communities in the Central Indian tribal belt, home to 65 per cent of the country's tribal community.Building on the success of interventions supported by the Trusts, the initiative aims at bring quality of life and livelihood of 3,00,000 households and developing 42 blocks as regional drivers of growth by 2015-20, a press release by the private sector said in Ranchi. In the context of the recent launch of the Digital India programme, it said the first roundtable held in Ranchi deliberated with experts ranging from technology experts and entrepreneurs, state agencies, implementation partners, researchers, media donors and resource support organizations participating. An initiative anchored by CInI, the nodal agency of the Tata Trusts for the initiative, the release said the deliberations led to identification of a shelf of feasible digital technology options, which could support in the making of 'lakhpati farmers' in the tribal pockets of the country. "We are very excited with the outcome of the workshop. This roundtable was only the first step towards generating a shelf of ideas that we can then incubate and (make it) operational," the release said quoting Vartika Jaini, senior development manager, Tata Trusts and Executive Director, CInI. She said "While various directions emerged from the discussions that we had, one general agreement has been that technology is poised to play a critical role in disseminating contextual information that can aid in bringing about prosperity amongst tribal farmers." The roundtable examined the potential of technology, insights from existing initiatives, technology and adoption trends and that the Initiative was particularly keen to examine the role of technology to support community-to-community sharing of good practices and information, setting up mechanisms through which service providers or those trying to reach tribal communities, could do so to make their content available. The release also said the initiative aims at bringing prosperity in the region through creating lakhpati farmers - farmers who earn upward of a lakh of rupees from agriculture and allied activities and were part of vibrant community institutions. A tablet enabled English teaching programme was being launched in 140 schools in Khunti, the release said adding, the Trusts would also collaborate with other agencies and incubate development of the shortlisted ideas, which would work in close collaboration with its field programmes.

Back to Index

Publication:	**The Economic Times**	Edition:	**Online Web**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	
		Display:	**1/1**

Central India Initiative to develop technology options to bring prosperity to tribals

http://economictimes.indiatimes.com/news/politics-and-nation/central-india-initiative-to-develop-technology-options-to-bring-prosperity-to-tribals/articleshow/48178208.cms

Building on the success of interventions supported by the Trusts, the initiative aims at bring quality of life and livelihood of 3,00,000 households. Tata Trusts' Central India Initiative (CInI) is looking to develop feasible technology options to bring prosperity to tribal communities in the Central Indian tribal belt, home to 65 per cent of the country's tribal community.

Building on the success of interventions supported by the Trusts, the initiative aims at bring quality of life and livelihood of 3,00,000 households and developing 42 blocks as regional drivers of growth by 2015-20, a press release by the private sector said here.

In the context of the recent launch of the Digital India programme, it said the first roundtable held today in Ranchi deliberated with experts ranging from technology experts and entrepreneurs, state agencies, implementation partners, researchers, media donors and resource support organizations participating.

An initiative anchored by CInI, the nodal agency of the Tata Trusts for the initiative, the release said the deliberations led to identification of a shelf of feasible digital technology options, which could support in the making of 'lakhpati farmers' in the tribal pockets of the country.

"We are very excited with the outcome of the workshop. This roundtable was only the first step towards generating a shelf of ideas that we can then incubate and (make it) operational," the release said quoting Vartika Jaini, senior development manager, Tata Trusts and Executive Director, CInI.

She said "While various directions emerged from the discussions that we had, one general agreement has been that technology is poised to play a critical role in disseminating contextual information that can aid in bringing about prosperity amongst tribal farmers."

The roundtable examined the potential of technology, insights from existing initiatives, technology and adoption trends and that the Initiative was particularly keen to examine the role of technology to support community-to-community sharing of good practices and information, setting up mechanisms through which service providers or those trying to reach tribal communities, could do so to make their content available.

The release also said the initiative aims at bringing prosperity in the region through creating lakhpati farmers - farmers who earn upward of a lakh of rupees from agriculture and allied activities and were part of vibrant community institutions.

A tablet enabled English teaching programme was being launched in 140 schools in Khunti, the release said adding, the Trusts would also collaborate with other agencies and incubate development of the shortlisted ideas, which would work in close collaboration with its field programmes.

Back to Index

Publication:	**Data Centre Management**	Edition:	**Online Web**
Published Date:	**23 Jul 2015**	Page No.:	
		Display:	**1/1**

Datacentre Management . org Recent Posts Central India Initiative to rise record options to move wealth to …

http://www.datacentremanagement.org/2015/07/central-india-initiative-to-develop-technology-options-to-bring-prosperity-to/

Building on a success of interventions upheld by a Trusts, a beginning aims during move peculiarity of life and provision of 3,00,000 households and building 42 blocks as informal drivers of expansion by 2015-20, a press recover by a private zone pronounced here.

In a context of a new launch of a Digital India programme, it pronounced a initial roundtable hold currently in Ranchi deliberated with experts trimming from record experts and entrepreneurs, state agencies, doing partners, researchers, media donors and apparatus support organizations participating.

An beginning anchored by CInI, a nodal group of a Tata Trusts for a initiative, a recover pronounced a deliberations led to marker of a shelf of possibly digital record options, that could support in a creation of 'lakhpati farmers' in a genealogical pockets of a country.

"We are really vehement with a outcome of a workshop. This roundtable was usually a initial step towards generating a shelf of ideas that we can afterwards breed and (make it) operational," a recover pronounced quoting Vartika Jaini, comparison growth manager, Tata Trusts and Executive Director, CInI.

She pronounced "While several directions emerged from a discussions that we had, one ubiquitous agreement has been that record is staid to play a vicious purpose in disseminating contextual information that can assist in bringing about wealth among genealogical farmers."

The roundtable examined a intensity of technology, insights from existent initiatives, record and adoption trends and that a Initiative was quite penetrating to inspect a purpose of record to support community-to-community pity of good practices and information, environment adult mechanisms by that use providers or those perplexing to strech genealogical communities, could do so to make their calm available.

The recover also pronounced a beginning aims during bringing wealth in a segment by formulating lakhpati farmers - farmers who acquire ceiling of a lakh of rupees from cultivation and associated activities and were partial of colourful village institutions.

A inscription enabled English training programme was being launched in 140 schools in Khunti, a recover pronounced adding, a Trusts would also combine with other agencies and breed growth of a shortlisted ideas, that would work in tighten partnership with the margin programmes.

Back to Index